QP Code: D133661	Total Pages: 3	Name:
		Register No.

FIRST SEMESTER UG DEGREE EXAMINATION, NOVEMBER 2025

(CUFYUGP)

HIN1FA102(1)

HINDI BHASHA MEIN SANCHAR AUR RACHANATMAK LEKHAN KA VIKAS – BHAG I

2025 Admission onwards

Maximum Time: One Hour and a Half | **Maximum Marks :50**

खंड क

I. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न का 2 अंक है, अधिकतम 16 अंक मिल सकते हैं:

1	भारतीय संविधान सभा के प्रमुख सदस्य कौन - कौन थे?
2	भारतीय संविधान कब लागू हुआ ?
3	प्रेमचंद की किन्हीं आठ कहानियों के नाम लिखिए।
4	'नमक का दारोगा' कहानी के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए ।
5	'परदेसी' किस विषय पर आधारित कहानी है ? इसका रचनाकार कौन है ?
6	निम्न लिखित खंड से कर्ता, कर्म, क्रिया और कारक को चुनिए : हम सब पिता जी की हर बात का समर्थन करते। पिता जी अभी जीना चाहते हैं। दिल के वाल्व खराब न हुए होते तो उनकी शारीरिक स्थिति ठीक थी। पाँच वर्ष तक आराम से चल सकते थे पर अब स्थिति नियंत्रण से बाहर थी। इसलिए परिवार के ज्यादातर सदस्य, उनके पास बैठे रहते।
7	निम्न लिखित खंड से संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण को चुनकर लिखिए : अजब परिवार है हमारा। तीन भाई-बहन तीन देशों में बसे हैं। सब एक-दूसरे के लिए तरसते रहते हैं। जब हुड़क तेज उठती हैं तो एक-दूसरे को लम्बे-लम्बे फोन कर लेते हैं, प्यार-भरे कार्ड भेजते हैं, अगले साल मिलने का वादा करते हैं तो कुछ दिनों को जी ठहर जाता है।
8	अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए : (a) There are four windows in the room. (b) It is not easy to win a competition. हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए : (क) पटना में कई बाज़ार हैं । (ख) कमरे में कोई नहीं था ।
9	निम्न लिखित वाक्यों का संशोधन कीजिए : (क) विनोद के कुता है। (ख) प्रमोद का खेत लहलहा रहे हैं।

	(ग) तुम बहुत धीरे - धीरे रहा है । (घ) लड़कों ने टाफियां खाया ।
10	वार्तालाप तैयार कीजिए : दुनिया कहेगी कि भगत जी ने बेटों को बहुत पढ़ाया, बेटियों को नहीं ? 'आख़िरी पड़ाव के पहले' पाठ के इस संवाद को आगे बढ़ाइए ।
	(16 marks)
	खंड ख
II.	निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न का **6** अंक है, अधिकतम **24** अंक मिल सकते हैं:
11	"मेरे कानों में पिघला हुआ शीशा भी उड़ेल दिया था मेरी आँखों में गर्म सलाखें भी तुम्हारे ही कहने पर घुसेड़ी गईं" - सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।
12	"कूक उठी सहसा तरु-वासिनि! गा तू स्वागत का गाना, किसने तुझको अंतर्यामिनि! बतलाया उसका आना!" – इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए ।
13	"आज मुझे विश्वास हो गया, पंच की ज़ुबान से ख़ुदा बोलता है ..."- यह किसका कथन है? सन्दर्भ सहित समीक्षा कीजिए ।
14	हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए : समझू साहू : तुमने मुर्दा बैल मेरे गले बाँधा था। अलगू : पूरा गाँव जानता है वह मुर्दा बैल नहीं था। समझू साहू : हुँह, गाँववालों ने गाड़ी में जोता था? अलगू : तुम सरासर बेईमानी कर रहे हो मेरे साथ! समझू साहू : (चिल्लाकर) बेईमानी तो तुमने की है मेरे साथ!
15	संक्षेपण कीजिए । साहित्य का आधार जीवन है। इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी है। उस पर अटारियाँ, मीनार, गुम्बद बनते हैं। लेकिन बुनियादें मिट्टी के नीचे दबी पड़ी रहती हैं जिन्हें देखने को भी जी नहीं चाहता। जीवन परमात्मा की सृष्टि है, इसलिए अनन्त और अगम्य है। साहित्य मनुष्य की सृष्टि है, इसलिए सुगम, सुबोध, और मर्यादाओं से सीमित है। जीवन परमात्मा को अपने

	कार्यों का जवाबदेह है या नहीं! मुझे नहीं मालूम लेकिन, साहित्य तो मानव के समक्ष जवाबदेह है। इसके लिए नियम है, जिससे वह इधर-उधर नहीं हो सकता। जीवन का उद्देश्य ही आनन्द है। मनुष्य जीवन-पर्यन्त आनन्द की खोज में रहता है, किसी को वह रत्न, द्रव्य में प्राप्त होता है, किसी को अपने भरे-पूरे परिवार में, किसी को ऐश्वर्य में लेकिन साहित्य का आनन्द इस आनन्द से ऊँचा है, उसका आधार सुन्दर और सत्य है। वास्तव में सच्चा आनन्द सुन्दर और सत्य से प्राप्त होता है। उसी आनन्द को दर्शाना तथा उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है। ऐश्वर्य या भोग के आनन्द में ग्लानि छिपी होती है, पश्चाताप भी होता है। पर सुन्दर से जो आनन्द प्राप्त है व अखंड है - अमर है।
	(24 marks)
खंड ग	
III.	निम्न लिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न का 10 अंक है:
16	'स्कूल' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए ।
17	'पंच परमेश्वर' की विषय-वस्तु के आधार पर सिद्ध कीजिए कि जीवन में न्याय, सत्य और निष्पक्षता के मूल्य सर्वोपरि हैं ।

(1 × 10 = 10 marks)